नई तकनीक से बने अत्याधुनिक कुओं से लोगों तक पहुंचेगा शुद्ध पेयजल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में पेयजल आपूर्ति बढ़ाने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। उच्च भूजल स्तर वाले इलाकों में आरओ प्लांट लगाने के अलावा दिल्ली सरकार ने यमुना के आसपास के इलाकों से भूजल के पानी का इस्तेमाल कर पेयजल आपूर्ति बढ़ाने की दिशा में अनोखी पहल की है। इसके तहत यमुना के नजदीक नई तकनीक से अत्याधुनिक कुएं बनाए गए हैं। इससे पूर्वी दिल्ली के लाखों लोगों के घरों में पीने का साफ पानी पहुंच सकेगा। इसे दिल्ली वालों को 24 घंटे पानी आपूर्ति करने की दिशा में दिल्ली सरकार की एक बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

इसके तहत सोनिया विहार में अत्याधुनिक कुओं का निर्माण हुआ है। हाल ही में दिल्ली के जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने इसका निरीक्षण भी किया था। इस अत्याधुनिक कुएं का सबसे बड़ा फायदा है कि इससे सामान्य कुएं की तुलना में छह से आठ गुना पानी की आपूर्ति हो सकेगी। खास बात यह है कि इस अत्याधुनिक कुएं के अंदर ही भूजल के पानी को शोधित करके पेयजल के लिए लोगों के घरों में सीधे आपूर्ति की जा सकेगी। इससे पानी की आपूर्ति एक चौथाई से लेकर 30 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी।

दिल्ली सरकार ने इस तरह 100 अत्याधुनिक कुओं का निर्माण करवा रही है, इससे भूजल को शुद्ध करके सीधे लोगों के घरों तक पहुंचाया जा सकेगा

दिल्ली सरकार ने सोनिया विहार में ऐसे 30 अत्याधुनिक कुओं का निर्माण कराया है। प्रत्येक कुएं की क्षमता प्रतिदिन 1.2 से 1.6 मिलियन गैलन पानी आपूर्ति करने की है। इसलिए प्रत्येक कुओं से प्रतिदिन 38 से 48 मिलियन गैल पानी की आपूर्ति हो सकेगी। इससे पूर्वी दिल्ली के इलाकों में पीने के पानी की समस्या का समाधान हो सकेगा। इन तीन कुओं का निर्माण पायलेट परियोजना के रूप में शुरू किया गया था। इस योजना से स्पष्ट हो गया है कि इसका इस्तेमाल करके पानी की आपूर्ति बढ़ाई जा सकती है। इसलिए दिल्ली सरकार अब ऐसे 70 अतिरिक्त कुएं बनाएगी। ऐसे में अब 100 कुएं हो जाएंगे। इससे प्रतिदिन 120 से 160 मिलियन गैलन पानी आपूर्ति बढ़ जाएगी।

भूजल रीचार्ज में भी मददगार होंगे ये कुएं

इन कुओं का सिस्टम इस प्रकार से डिजाइन किया गया है कि बारिश के मौसम में ये खुद भूजल को रीचार्ज भी कर सकेंगे। इन कुओं का व्यास एक से डेढ़ मीटर और गहराई 30 मीटर है। पहले दिल्ली में जल बोर्ड के कई रेनी वेल हैं, जिससे भूजल निकालकर लोगों को पेयजल आपूर्ति की जाती है लेकिन रेनी वेल की पेयजल आपूर्ति की क्षमता अत्याधुनिक कुओं की तुलना में कम है। इसलिए अत्याधुनिक कुओं की मदद से जल आपूर्ति में काफी बढ़ोतरी हो जाएगी।

विभागों के बीच बेहतर तालमेल से संभव हो सका है कुओं का निर्माण

इन कुओं का निर्माण दिल्ली सरकार के जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग और बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई विभाग के संयुक्त प्रयास से किया गया है। इसलिए इन कुओं का निर्माण दिल्ली सरकार के विभागों के बीच बेहतर तालमेल का उदाहरण है।